an>

Title: Need to take steps to provide share of Yamuna water to Rajasthan.

श्रीमती संतोष अहलावत (झुंझुनू): माननीय अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे बहुत गम्भीर विषय पर बोलने की अनुमति दी है। इसलिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

महोदया, मेरा संसदीय क्षेत्र पानी की अनुपलब्धता के कारण डार्क जोन घोषित हो चुका है। यमुना बेसिन राज्यों के मध्य वर्ष 1994 में एक समझौता हुआ था। उस समझौते के तहत राजस्थान को 1.199 बीसीएम यमुना जल का आबंटन हुआ था और अपर यमुना नदी बेसिन को यमुना जल आबंटन हेतु अधिकृत कर दिया गया था।

महोदया, दिनांक 21 दिसम्बर, 2001 को अपर नदी यमुना बेसिन की 22वीं बैठक में निर्णय लिया गया था कि राजस्थान को 1,917 क्यूसिक्स पानी ताजेवाला हैड से और 1,281 क्यूसिक्स जल ओखला हैडवर्क्स से मॉनसून की अवधि में दिया जाएगा। राजस्थान सरकार ने उपरोक्त आबंटित यमुना जल के उपयोग के लिए तीन जिले भरतपुर, चूरू और झुंझुंनू की एक प्रस्तावित रूपरेखा केन्द्रीय जल आयोग को प्रस्तुत कर दी थी।

महोदया, मैं आपका ध्यान आकृष्ट कराना चाहती हूं कि आयोग ने उपरोक्त दोनों प्रस्तावों को इस शर्त के साथ अनुमोदित कर दिया था कि हरियाणा सरकार से स्वीकृति प्राप्त कर ली जाए।

महोदया, यह बहुत महत्वपूर्ण विषय है। इसलिए कृपया मुझे अपनी बात कहने की अनुमति दी जाए। दिनांक 14 फरवरी, 2003 को राजस्थान सरकार द्वारा एक एमओयू हरियाणा सरकार को सहमति के लिए भेजा गया था, लेकिन हरियाणा सरकार ने उस पर हस्ताक्षर नहीं किए। उस समय वहां कांग्रेस की सरकार थी। हरियाणा ने ताजेवाला यमुना जल आबंटन के समझौते पर इस आधार पर असहमति व्यक्त कर दी कि अगर राजस्थान को पानी दिया जाता है, तो हरियाणा को जो प्राप्त जल है, वह प्रभावित होगा।

महोदया, हरियाणा ने अपना हक बचाने के लिए एक ऐसी स्थिति क्रिएट कर दी और आज दिन तक उस समस्या का समाधान नहीं हो सका है। इसलिए अपर यमुना जल आबंटन रिव्यू कमेटी को प्रस्ताव भेज दिया गया। चेयरमैन, अपर यमुना जल आबंटन रिव्यू कमेटी ने यह प्रस्ताव राज्य को द्विपक्षीय वार्ता के लिए भी भेजा, लेकिन तब से आज तक राजस्थान सरकार द्वारा हरियाणा सरकार से अनेक बार निवेदन किया गया, लेकिन इस बारे में अभी तक समाधान नहीं निकला है। दिनांक 14 फरवरी, 2003 को एमओयू पर हस्ताक्षर किए जाने और राजस्थान ने अपने हिस्से का जल मांगने हेतु केन्द्र सरकार से भी निवेदन किया। चूंकि उस समय केन्द्र और राज्य, दोनों जगह हमारी सरकारें नहीं थीं, इसलिए इस समस्या का समाधान नहीं हो सका। अतः मैं आज आपके माध्यम से निवेदन करना चाहती हूं कि आज तक डार्क जोन की मार से झेल रहे राजस्थान के तीन जिलों, भरतपुर, चूरू और झुंझुंनू को पानी की सप्लाई हेतु यमुना के जल में जो हिस्सा राजस्थान का बनता है, वह यथाशीघ्र मिले। धन्यवाद।

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल (हमीरपुर): अध्यक्ष महोदया, मैं अपने आपको उपर्युक्त विषय से सम्बद्ध करता हूं।

श्री भैरों प्रसाद मिश्र (बांदा) : अध्यक्ष महोदया, मैं अपने आपको उपर्युक्त विषय से सम्बद्ध करता हूं।